

MAY - 2017

Seat No _____

MAOOC205 (Sem - II)

Sub. : HINDI (युग आधारित हिन्दी गद्य)

Time : 3 Hrs.

Total Marks : 70

Intrucation : (1) All Questions are Compulsory.

(2) Figures to the right indicate total marks of the Questions.

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के खंड 'क' के जवाब ५००-६०० शब्दों तथा खंड 'ख' के जवाब १०० शब्दों में अपेक्षित हैं।

प्र-१ (क) हिन्दी के प्रमुख प्रगतिवादी गद्य रचनाओं पर प्रकाश डालिए। ३०

अथवा

हिन्दी में प्रगतिवादी कथा साहित्य के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए।

(ख) नागार्जुन का संक्षेप में परिचय ४

अथवा

अमृत राय का संक्षेप में परिचय।

प्र-२ (क) रांगेय राघव का जीवन परिचय देकर उनकी औपन्यासिक कृतियों का परिचय दीजिए। १०

अथवा

प्रगतिवादी कथा साहित्य में रांगेय राघव और भैरवप्रसाद गुप्त का योगदान स्पष्ट कीजिए।

(ख) भैरवप्रसाद गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। ४

अथवा

प्रगतिवाद का स्वरूप।

प्र-३ (क) 'मुर्दों का टीला' उपन्यास में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। ७

अथवा

'मुर्दों का टीला' ऐतिहासिक उपन्यास है - सिद्ध कीजिए।

(ख) नीलूफर का चरित्र। ७

अथवा

बिल्लीभितूर का चरित्र

प्र-४ (क) 'सत्तीमैया का चौरा' उपन्यास के कथानक को सोद्देश्य समझाइए। ७

अथवा

मुन्नी के चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(ख) मशहर का चरित्र

७

अथवा

राघेबाबू का चरित्र

प्र-५ सूचनानुसार कीजिए :

(क) निम्नलिखित विधान सही या गलत है बताइए :

७

- (१) चिन्त के क्षेत्र में जो साम्यवाद है, अनुभूति के क्षेत्र में वही प्रगतिवाद है ।
- (२) प्रगतिवाद का अर्थ आगे बढ़ना नहीं है ।
- (३) मन्ने और मुन्नी का सम्बन्ध भाई-बहन का है ।
- (४) भैरवप्रसाद गुप्त प्रयोगवादी लेखक है ।
- (५) मूर्दों का टीला एक आंचलिक उपन्यास है ।
- (६) डॉ.रांगेय राघव के जन्म का नाम त्र्यंबक वीर था ।
- (७) 'मूर्दों का टीला' का कथानायक मणिबन्ध नहीं है ।

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

७

- (१) रचना भैरवप्रसाद गुप्त की नहीं हैं ।
(१) जंगल री रानी (२) कालिन्द (३) घरती (४) गंगा मैया
- (२) 'सत्तीमैया का चौरा' का प्रकाशन वर्ष है ।
(१) १९४८ (२) १९५० (३) १९५२ (४) १९५४
- (३) भैरवप्रसाद गुप्त पत्रिका के सम्पादक थे ।
(१) माया (२) हंस (३) समकालीन (४) उद्भावना
- (४) 'कब तक पुकारुं' रचना है ।
(१) ऐतिहासिक (२) मनोवैज्ञानिक (३) आंचलिक (४) पौराणिक
- (५) 'मूर्दों का टीला' उपन्यास का प्रकाशन वर्ष है ।
(१) १९४६ (२) १९४८ (३) १९५० (४) १९५२
- (६) 'बैने और घायल फूल' कृति के रचनाकार है ।
(१) रांगेय राघव (२) भैरवप्रसाद गुप्त (३) अमृत राय (४) नागार्जुन
- (७) 'प्रगतिशील लेखक संघ' के प्रथम सभापति थे ।
(१) मुंशी प्रेमचंद (२) जयशंकर प्रसाद (३) नरेश मेहता (४) डॉ.नगेन्द्र